

प्रधानमंत्री मोदी  
बोले- मानसिक  
स्वास्थ्य हमारे  
समग्र कल्याण  
का मूल - 12



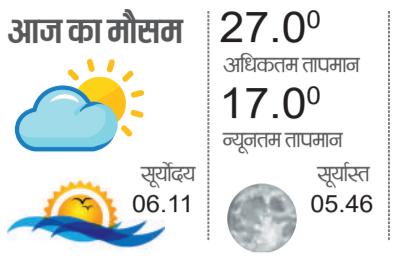
श्रीं सिंह  
बनीं भारत  
की पहली  
गिलेज यूनिवर्स  
- 13



इंजाइल ने  
गाजा में युद्धिवाइम  
शुल होते से  
पहले की जी भरके  
गोलाबाटी - 13



जायसवाल  
ने जडा सातवां  
शतक, भारत  
की शानदार  
शुलात - 14



कार्तिक कृष्ण पक्ष पंचमी 04:43 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत् 2082

## पवित्र क्षण



हिमालय की गोद में 15000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित श्री हेमकुंड साहिब एवं पौराणिक श्री लोकपाल लक्षण मंदिर के पापां शुक्रवार दोपहर 1:30 बजे विधिवत रूप से शीतकाल के लिए बदल कर दिए गए। (खबर पेज-2)

# अमृत विचार

हल्द्वानी

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ भैंसी कानपुर  
मुमुक्षुदाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मूल्य 6 रुपये

## वेनेजुएला की मारिया मचाडो को शांति नोबेल पुरस्कार

• 20 साल तक गहराते अंधकार के बीच लोकतंत्र की लौ जलाए रखी

ओरलो, एजेंसी

वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया करिस्मा मचाडो को इस साल के नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किए जाने की शुक्रवार को घोषणा की गई। मारिया को एक ऐसी महिला के रूप में मान्यता दी गई है, जिन्होंने 20 साल तक गहराते अंधकार के बीच लोकतंत्र की लौ जलाए रखी है।

नॉर्वे की नोबेल समिति के अध्यक्ष जॉर्जन वाले फ्रिडेनेस ने कहा कि वेनेजुएला में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए विपक्ष की उम्मीदवार रही



मारिया को राष्ट्रपति निकोलास मादुरो की सरकार के खिलाफ कभी गहरे तक विभाजित विपक्ष को एक जुट करने वाली महत्वपूर्ण शख्सियत के रूप में सराहा गया है। फ्रिडेनेस ने कहा, मारिया विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

मारिया को राष्ट्रपति निकोलास मादुरो के बावजूद वह देश में ही है और इस फैसले ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा, जब अधिनायकवादी सत्ता पर कब्जा कर लेते हैं, तो आजादी की रक्षा करने वाले उन साहसी नायकों को मान्यता देना अहम हो जाता है, जो आवाज उठाते हैं और प्रतिरोध करते हैं।

पुरस्कार पाने वाली 20वीं महिला

नोबेल शांति पुरस्कार एकमात्र नोबेल पुरस्कार है, जो ओस्ट्रो (नॉर्वे) में जबान किया जाता है। यह पुरस्कार अब तक 112 लोगों के द्वारा दिया जा चुका है। मारिया इस पुरस्कार को यह पुरस्कार दिया जाने की वजह से द्वारा दिया जाने के बावजूद वह इस पाने से चुक गए। मौजूदा कार्यकाल के अलावा ट्रांग अपने पहले राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान भी इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को पाने के लिए सर्वजनिक तरीके पर मंथा जाता रहे।

राष्ट्रपति द्वारा की उम्मीदें धराशायी

वाशिंगटन। नोबेल शांति पुरस्कार के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा की तापां को शिशी नाम से रखा रहा। रियलिकन नोबांसों से लेकर दुनिया के कई नेताओं द्वारा दिया जाता है। यह पुरस्कार दिया जाने की वजह से द्वारा दिया जाने के बावजूद वह इस पाने से चुक गए। मौजूदा कार्यकाल के अलावा ट्रांग अपने पहले राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान भी इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को पाने के लिए सर्वजनिक तरीके पर मंथा जाता रहे।

जिन्होंने इस पुरस्कार के लिए चुने जाने पर विस्मय व्यक्त किया। मारिया और गौजालेज को पिछले साल योगीय संघ (ईयू) के सर्वोच्च मानवाधिकार सम्मान 'सख्तांग पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था।

## 2030 तक सतत विकास लक्ष्य पाने को हम पूर्ण प्रतिबद्ध: धामी

मुख्यमंत्री ने किया आईएसएसआई के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित

मुख्य संवाददाता, देहरादून



प्रत्येक वर्ग के कल्याण की दिशा

में संकल्पपूर्वक प्रयास किए गए

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री ने नेतृत्व में देश सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्राप्ति के मूलभूत के साथ नियंत्रण कार्य कर रहा है। उनके प्रधान सेवक बनने के बाद पिछले 11 वर्षों में अनेक नीतियों पर योजनाओं के माध्यम से प्रयोग वर्ग के कल्याण की दिशा में संकल्पपूर्वक प्रयास किए गए हैं।

अंतिम पवित्र में खड़े व्यवित के कल्याण के लिए प्रारंभ की गई जन-धन योजना, उज्ज्वल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, अयुष्मान भारत योजना जैसी अनेक नज़कतालापानी योजनाओं का लाभ देश के करोड़ों नागरिकों को प्राप्त हो रहा है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रखी है।

सीएम ने कहा कि विपक्ष की लौ जलाए रख





## सिटी ब्रीफ

विद्युत चोरी पर छह के खिलाफ मुकदमा

रामनगर: अधिकारी अधिकारी गोविंद खिंच काही ने बताया कि एसडीओ एसडीओ दैपन सिंह नियुक्त एवं विभाग की विभिन्न टीमों ने चोरिंग के दौरान अब्दुल वारी, मो. गुलार, शहाद, महम्मद रहीक नियारी शकिनारार पूछी, मो. फैजन नियारी फौजी कॉलेजी पूछी, गोपाल राम नियारी प्राइमरी स्कूल के धरों पर छाया भार सीधे विद्युत लाइन से कटिया लगाकर बिलोड वाहनों के पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। एई अमित चंद आर्या, जेंडर राजेश सिंह व लाइनमैन सुरेश कुमार थे।

## हाईकोर्ट पहुंचा सीएचसी का मामला

हल्द्यौड़: पूर्व मंत्री लीशं बंद दुर्घटना के कार्यकाल में स्वीकृत सीएचसी हल्द्यौड़ में यात्रा मार सुविधा दर्ज करायी थी। ओवरलोड वाहनों के लगातार परिचालन से सड़कें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। मार्ग पर हर समय धूल का गुबाज़ छाया रहता है, जिससे क्लूली बच्चों, कॉलेज छात्रों और राहगों को भारी परेशानी ड्लैली पड़ रही है। धूल और प्रदूषण के कारण कई छात्र अस्थमा, खांसी और आंखों में जलन की समस्या से ग्रसित हो रहे हैं।

स्थिति यह है कि महाविद्यालय जाने वाले छात्र-छात्राएं अब मार्ग और रुमाल से चेहरा ढककर धर से निकलने को मजबूर हैं। धूल और खराब सड़कों के कारण लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिनमें कई छात्र घायल भी हो चुके हैं। छात्र नेता समिति सिंह कार्कों और छात्रसंघ कोषाध्यक्ष कमल चंद्र पांडे के नेतृत्व में छात्रसंघ प्रतिनिधिमंडल ने सीओ दीपशिखा अग्रवाल को जापन सौंपते छात्र संघ पदाधिकारी।



लालकुआं सीओ को ज्ञापन सौंप कार्यवाई की मांग की, स्टोन क्रशरों के खिलाफ गुस्सा

संवाददाता, हल्द्यौड़

अमृत विचार: देवरामपुर से लेकर बूरू गुमटी और शिंदेर से हिंरण बूरू गुमटी तक चल रहे स्टेन क्रशरों के भारी वाहनों ने स्थानीय निवासियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। ओवरलोड वाहनों के लगातार परिचालन से सड़कें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। मार्ग पर हर समय धूल का गुबाज़ छाया रहता है, जिससे क्लूली बच्चों, कॉलेज छात्रों और राहगों को भारी परेशानी ड्लैली पड़ रही है। धूल और प्रदूषण के कारण कई छात्र अस्थमा, खांसी और आंखों में जलन की समस्या से ग्रसित हो रहे हैं।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।













अमृत विचार

# शब्द रंगा



लगभग 200 वर्षों से गुलाब की पंखुड़ियों की उसी खुशबू के बीच खंडहर बनी वह इमारत मौजद है, जो बता रही है कि इमारत कभी बुलंद थी। उस राजधानी में जहां सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की कमी नहीं, वहां चुनिंदा हकीम आज भी तमाम मरीजों की सांसें थाम उन्हें जिंदगी दे रहे हैं। हां। वही हकीम जो इस्लामी स्वर्ण युग के दौरान विद्वानों की श्रेणी में आते थे। ऐसे विद्वान जो धर्म, चिकित्सा, विज्ञान और इस्लामी दर्शन के जानकार थे। उसी यूनानी चिकित्सा पद्धति को विरासत में पाने वाले कुछ हकीम अब भी हैं, जिसकी नींव 460 ईसा पूर्व ग्रीस में यूनानी दाशनिक हिप्पोक्रेटस ने रखी थी। इन हकीमों से मिलना है तो लखनऊ में चौक के शेर-शराबे और संकरी गलियों से होते हुए दारलशका तक पहुंचना होगा। यहां दशकों पुराना एक जर्जर भवन पर लगा बोर्ड दिखेगा, जिस पर लिखा है किंजस यूनानी हॉस्पिटल, गोल दरवाजा चौक। यही है शाही यूनानी शिफाराना। **रिपोर्ट: शुभंकर**



## इमारत पर बदलते दौरे के निशान हावी

आज इमारत पर बदले दौरे के निशान हावी हैं। यहां की दूरी दीवार और जाने वाले चुनाव की साइनेड संरक्षण की ऐतिहासिक महत्व की कहानी बताते हैं। अंदर चुनिंदा हकीम आज भी मात्रीस लूपये के पर्यंत पर परामर्श के साथ औषधियां भी देते हैं। यौके पर पहुंचिए तो हकीम सर्वाद जैन-अल हसन और हकीम सर्वाद अहमद मैंहावी यहां बैठे रितेंगे। एक हकीम-ए-अवल हैं तो दसरे हकीम-ए-दोयाम यानी सैनियर और जूनियर हकीम साहब। इनके एक सहायक इस्लाम भी यहां दवाओं के वितरण का काम करते हैं। हालांकि यहां अनेक वाले मरीज कर्म हैं, फिर भी कई मरीज युरानी बीमारियों के इलाज के लिए आते हैं। मर्ज के लिहाज से इन हकीमों द्वारा बताई गई सभी दवाइयां एक विशेषज्ञ टीम द्वारा तैयार की जाती हैं, जो दशकों से इस यूनिट से जुड़े हुए हैं। सभी औषधियां गुलाब, ताजी जड़ी-बूटियां और प्राकृतिक औषधियों से तैयार होती हैं, बाजार में मिलने वाली कोई भी रेडीमेड दवा नहीं प्रयोग होती है।



## खंडहर बता रहे हैं इमारत कभी बुलंद थी

इस यूनानी पद्धति के अस्पताल को स्थापित हुए पूरे 200 साल हो जाएंगे। इसी जर्जर इमारत तले आज भी न केवल मरीजों को हकीम उचित चिकित्सीय परामर्श देते हैं, बल्कि यहां निर्मित दवाएं भी। इन्हीं यूनानी औषधियों में गुलाब की पंखुड़ियों का प्रयोग होता है, जो यहां बिखरी पट्टी दिखेंगी, जिनकी रूहानी खुशबू तनमन को तरोताजा कर देती है। दरअसल यूनानी चिकित्सा पद्धति खासकर इस्लामी दर्शों में फली-फली, फिर भी अवध के नवाबों के शासकाल में यह लखनऊ पहुंची और शहर की पहचान का अधिन्यन अंग बन गई। जब भी अन्य लोग इससे विमुख हो गए, तब भी नवाबों ने इस प्राचीन परंपरा को संरक्षण देना जारी रखा। अभिलेखों से पता चलता है कि अंतिम नवाब, वाजिद अली शाह, शाही चिकित्सकों की एक टीम रखते थे, जो यूनानी चिकित्सा पद्धति का अभ्यास करते थे। यह वह समय था जब यूरोपीय चिकित्सा पद्धति दुनिया भर में अपनी जगह बना रही थी। यह विरासत 20 वर्षों सदी तक जारी रही और यूनानी चिकित्सा पद्धति जन स्वास्थ्य के लिए केंद्रीय बनी रही। लखनऊ में शाही शिफाराना यहां के चौक इलाके के बीचों-बीच स्थापित अवध की शाही विरासत का एक प्रतीक है। एक बारी यह कोई आम सरकारी कल्यानिक या किसी पुराने हकीम का दवाखाना लग सकता है, लेकिन जो लोग इसके इतिहास को जानते हैं, उनके लिए यह नवाबों के प्रगतिशील नजरिए का प्रतीक है। राजा नंसीरदीन हैंदर द्वारा 1833 में स्थापित, शिफाराना उस बक्त का आधिकारिक शाही अस्पताल था। राजा ने इस यूनानी चिकित्सा को केंद्र के रूप में स्थापित किया था, जो यूनानी-अरबी चिकित्सा पद्धति थी, जिसने भारतीय उपमहाद्वीप में गहरी जड़ें जारी रखी थीं। तीन प्रशिक्षित हकीमों की एक टीम जनता की सेवा करती थी। इलाज न केवल मुस्त था, बल्कि समान के साथ भी प्रयोग जाता था। सभी वर्षों के मरीजों को समान स्तर की देखभाल प्रदान की जाती थी। इस सुविधा में गहन या दीर्घकालिक उपचार की आवश्यकता वाले मरीजों के लिए भर्ती वार्ड भी शामिल थे।

अस्पताल के आसपास के बीची में औषधीय जड़ी-बूटियां उगाई जाती थीं और इसके अपने दवाखाना (फार्मसी) में दुर्लभ औषधियां तैयार की जाती थीं। बाद के दिनों में लखनऊ तक भारत के कलात्मक और बौद्धिक जीवन का केंद्र बनकर उत्तरा। अवध के नवाबों ने इस बदलाव को अपनाया और कवियों, कलाकारों, संगीतकारों और हकीमों को आमत्रित किया। शिफाराना शीघ्र ही चिकित्सा शिक्षा का केंद्र बन गया। यूनानी चिकित्सा के इच्छुक चिकित्सक यहां वरिष्ठ हकीमों के अधीन प्रशिक्षण अधिन्यन अंग बन गई। जब भी अन्य लोग इससे विमुख हो गए, तब भी नवाबों ने इस प्राचीन परंपरा को संरक्षण देना जारी रखा। अभिलेखों से पता चलता है कि अंतिम नवाब, वाजिद अली शाह, शाही चिकित्सकों की एक टीम रखते थे, जो यूनानी चिकित्सा पद्धति का अभ्यास करते थे। यह वह समय था जब यूरोपीय चिकित्सा पद्धति दुनिया भर में अपनी जगह बना रही थी। यह विरासत 20 वर्षों सदी तक जारी रही और यूनानी चिकित्सा पद्धति जन स्वास्थ्य के लिए केंद्रीय बनी रही। लखनऊ में शाही शिफाराना यहां के चौक इलाके के बीचों-बीच स्थापित अवध की शाही विरासत का एक प्रतीक है। एक बारी यह कोई आम सरकारी कल्यानिक या किसी पुराने हकीम का दवाखाना लग सकता है, लेकिन जो लोग इसके इतिहास को जानते हैं, उनके लिए यह नवाबों के प्रगतिशील नजरिए का प्रतीक है। राजा नंसीरदीन हैंदर द्वारा 1833 में स्थापित, शिफाराना उस बक्त का आधिकारिक शाही अस्पताल था। राजा ने इस यूनानी चिकित्सा में फली-फली, फिर भी अवध के नवाबों को जानता था। सभी वर्षों के मरीजों को समान स्तर की देखभाल प्रदान की जाती थी। इस सुविधा में गहन या दीर्घकालिक उपचार की आवश्यकता वाले मरीजों के लिए भर्ती वार्ड भी शामिल थे।

## अमिताभ बच्चन के पहले गुरु फ्रैंक ठाकुर दास

कि मुझे तुरंत कॉलेज की ड्रामा सोसाइटी में शामिल होना चाहिए।” उस पहली मुस्तक से ही वह मेरे गुरु बन गए। उनके मार्गदर्शन में मैंने रंगमंच की बारीकीयां सीखीं। जैसे मंच पर आवाज का उत्तर-चढ़ाव और अधिनयन में भारतीयों को जाय महत्व होता है।”

■ प्रो. फ्रैंक स्वयं एक उत्कृष्ट अभिनेता और निर्देशक थे, जिन्होंने अमिताभ को पूरे समर्पण से समर्पण दिया।

फ्रैंक के मार्गदर्शन में अमिताभ ने रंगमंच में उत्तराह के साथ हिस्सा लिया और हिंदी व अंग्रेजी नाटकों में अभियान किया। केमेसी ड्रामा सोसाइटी एक शक्तिशाली मंच बन गई, जो न केवल दिल्ली विश्वविद्यालय में, बल्कि पूरे शहर में नाटकों का मंचन करती थी। अमिताभ इस जीवन रंगमंच समुदाय को अधिनयन हिस्सा थे। प्रो. फ्रैंक ने तो उन्हें मिरांडा हाउस, एक महिला कॉलेज में एकल नाटक के लिए भी शिकारिश की थी, जिसे अमिताभ मुस्कुराते हुए याद करते थे।

■ फ्रैंक ठाकुर दास का प्रभाव केवल अमिताभ तक सीमित नहीं था। उन्होंने सतीश कौशिक, कल्भुषण खरबंदा और कवीर खान जैसे केमेसी के पूर्वी छात्रों की देखभाल की थी। अमिताभ ने उन्हें अपनी उपलब्धियों पर क्रैंप लिया और उन्हें अपनी अभियानों की बातें बतायीं। उन्होंने अपनी अभियानों की बातें बतायीं। उन्होंने अपनी अभियानों की बातें बतायीं। उन्होंने अपनी अभियानों की बातें बतायीं।

■ फ्रैंक ठाकुर दास का प्रभाव केवल अमिताभ तक सीमित नहीं था। उन्होंने सतीश कौशिक, कल्भुषण खरबंदा और कवीर खान जैसे केमेसी के पूर्वी छात्रों की देखभाल की थी। अमिताभ ने उन्हें अपनी उपलब्धियों पर क्रैंप लिया और उन्हें अपनी अभियानों की बातें बतायीं। उन्होंने अपनी अभियानों की बातें बतायीं। उन्होंने अपनी अभियानों की बातें बतायीं। उन्होंने अपनी अभियानों की बातें बतायीं।

■ अमिताभ बच्चन 1959 से 1962 तक केमेसी में छात्र थे, जब उन्होंने पिता, प्रख्यात हिंदी विद्वान डॉ. हरिंद्रा राय बच्चन, विदेश मंत्रालय में हिंदी अधिकारी थे। तीन वर्षों तक केमेसी हॉस्टल का कमरा नंबर 66 उनका घर रहा। यहीं उनकी मुलाकात प्रो. फ्रैंक ठाकुर दास से हुई, जो पंजाब के गुरांदासपुर के रहने वाले थे, जिन्होंने उनकी जिंदगी को नया मोड़ दिया। फ्रैंक ठाकुर दास बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। ऐसे रोजानीति विज्ञान की ड्रामा और डिवेटिंग सोसाइटी के प्राण थे। इसके अलावा वह कुर्सी, फुटबॉल और अन्य खेलों के शौकीन थे। उनका दशन सरल, लेकिन गहरा था: छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करना। लंबे कदम और आकर्षक व्याकृति वाले प्रो. फ्रैंक अपने छात्रों पूर्व व वर्तमान के प्रगति और सफलता के दृष्टिगत धूमता था।

■ अमिताभ बच्चन 2017 के एक साक्षात्कार में प्रो. फ्रैंक ठाकुर दास से अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए कहा था- “एक दिन प्रो. फ्रैंक ने मुझसे कहा

पीढ़ी को प्रेरित किया,

जिन्होंने अमिताभ को पूरे समर्पण से समर्प







मैं बहुत खुश हूँ। मैं इस जीत के स्तर से खुश हूँ, इस मैच को सीधे सेटों में जीतकर खुश हूँ, और अपने प्रदर्शन से कोई बहुत खुश हूँ। वह अंतीम के महान खिलाड़ियों से तुलना करने की बजाय आत्म-सुधार पर ज्यादा ध्यान देती है।

- अर्पणा सावलेका

# स्टेडियम

# अमृत विचार

www.amritvichar.com

हल्द्वानी, शनिवार 11 अक्टूबर 2025

## हाईलाइट

रोहित ने ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले शिवाजी पार्क में किया अभ्यास



मुंबई : रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले शुक्रवार को मुंबई राजी टीम के अपने पूर्व साथी अधिकारी नायर के साथ शिवाजी पार्क में लगभग दो घंटे तक अभ्यास किया। नायर कुछ समय पहले तक भारतीय टीम के बल्लेबाजों को चाही थी। रोहित की जाहाज हाल ही में शुभमन गिल को भारतीय एकदिवसीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। रोहित 19 अक्टूबर से पूर्व में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली तीन मैचों की शूल्कान के दौरान वापसी करेंगे।

## शुभंकर की स्पेन ओपन में खराब शुरूआत

मेडिड : भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ऑपन डी एसपा' के पहले दिन दो और 73 का नियाशाजनक कार्ड खेलने के बाद संयुक्त 8 वें स्थान पर खिसक गए। शुभंकर ने तीन बोली के मुकाबले एक बर्डी लगाई। उन्होंने कर्ट में प्रशंसनों के लिए दूसरे दिन अपने खेल का स्तर ऊपर कराना होया। ऐप्प वेपरस्टो ने अपने आखिरी पांच हाल में चार में बर्डी लगाई और उन्होंने कुछौड़ के साथ पहले दौर के बाद तिकाना में शीर्ष पर पहुंच गये। इंटर्लैंड के वेपरस्टो और फ्रांस के कुशोड़ का स्कोर छह अंडर 65 है।

## रणजी में बड़ोंनी करेंगे

दिल्ली की अगुवाई नई दिल्ली : दिल्ली ने हेदराबाद के खिलाफ 15 अक्टूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्रिकेट मैच के लिए शुक्रवार को 24 सालस्वीय टीम की धैर्यांकी की जिसमें अयुवा बड़ोंनी को अरथ यथा दुल का उपकातान नियुक्त किया गया है। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसी) की चयन समिति ने निरीश राणा को भी टीम में शामिल किया गया है। राणा उत्तर प्रदेश के साथ कुछ समय तक खेलने के बाद दिल्ली की टीम में वापसी की गई है।

## आईपीएल की नीलामी दिसंबर में संभव

नई दिल्ली : आईपीएल 2026 की नीलामी दिसंबर के दूसरे या तीसरे सप्ताह में होने की संभाला है, और 13-15 दिसंबर साप्ताहित समय के रूप में दिया गया है। फ्रेंचाइजी अधिकारियों, जिनमें सीसीआई और आईपीएल से बाहर की हैं, ने बताया है कि चर्चे इन्हीं तारीखों पर केंद्रित है, हालांकि लीग की गवर्निंग कार्यपालिका ने अभी तक कार्यक्रम तय नहीं किया है। इसके बाद कोई संकेत नहीं है कि नीलामी विदेश में आयोजित की जाएगी, जैसा कि पिछों दो संरक्षणों में हुआ था - पहले दुर्बई (2023) और पिछे से संबद्धी के बाद (2024)।

## ट्रॉफी का अनावरण



नई दिल्ली स्थित त्रिपुरा राज्य स्टेडियम में प्रो कबड्डी लीग ट्रॉफी का कप्तान अर्जुन देसवाल (तमिल थलाइवाज), असलम इनामदार (पुनर्नी पलटन), योगेश दहिया (गंगतुरु बुन्स) और नितिन रावल (जयपुर पिंक पैरेंस) ने अनावरण किया। ● एजेंसी

## कास्परोव ने आनंद पर बढ़त मजबूत की

वल्श शतांग लीगेंड्स

दी। कास्परोव पहली बाजी जीती में सफल रहे क्योंकि तब आनंद जीत की स्थिति में थे, पर वह घड़ी पर नजर रखना भूल गए। जिसका उन्हें खामियाजा भुगतान पड़ा। दिन के दो ब्लिंटर्ज गेम में कास्परोव ने फिर से पहला गेम जीत लिया और

144,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाली प्रतियोगिता के अंतिम दिन से पहले 8-3-5 से आगे हो गए। यह सुकाबला 12 बाजियों का है। अभी चार बाजियां पाओलेलीनी से सीधे सेटों में उलटफेर का शिकाकार हो गई। पाओलेलीनी ने 65 मिनट तक चले बायर्टर फाइनल में दूसरी रैंकिंग वाली स्वियातक को फिर से पहला गेम जीत हासिल करने वाले को तीन अंक मिलेंगे।

# यशस्वी के शतक से भारत की शानदार शुरूआत

दूसरे टेस्ट मैच में भारतीय बल्लेबाजों ने वेस्टइंडीज के आक्रमण की उड़ाई धज्जियां

नई दिल्ली, एजेंसी



वेस्टइंडीज के खिलाड़ी तीसरे अपार के निर्णय का इंतजार करते हुए।



रन	173*
गेंद	253
चौके	22
छक्के	00

एजेंसी

सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर का सातवां शतक जड़ा, जबकि साई सुदर्शन ने भी अपने कैरियर का अच्छा नमूना पेश करके टीम में अपनी उपयोगिता साखित की। इससे भारत ने वेस्टइंडीज के आक्रमण की धज्जियां उड़ाते हुए दूसरे एवं अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन शुक्रवार को यहां दो विकेट पर 318 रन बनाए।

शुभमन गिल ने कप्तान के रूप में पहली बार टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। इसका जायसवाल ने पूरा फायदा उठाया। पहले टेस्ट में बड़ा स्कोर बनाने से चौके वाले जायसवाल दूसरे मैच की हाथ से जाने देने के मूड में नहीं थे और उन्होंने कुछ आकर्षक शॉट लगाए। वह 253 गेंदों पर 22 चौकों की मदद से 173 रन बनाकर खेल रहे हैं। सुदर्शन हालांकि अपना पहला टेस्ट शतक पूरा नहीं कर पाए। उन्होंने करके 87 रन बनाए। बारंस हाथ के इस बल्लेबाज का यह सर्वोच्च टेस्ट स्कोर है।

सुदर्शन और रन बनाने की उम्मीद थी: सुदर्शन

नई दिल्ली : भारत के तीसरे ट्रॉफी के बल्लेबाज साई सुदर्शन ने स्थीकार किया कि उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने पहले टेस्ट शतक का पूर्णांगी की उम्मीद थी, लेकिन 87 रन पर आउट होने से उन्हें थोड़ी निराशा हुई। सुदर्शन में दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन 165 गेंदों में 12 योनों की मदद से यह पारी खेली। सुदर्शन पहले टेस्ट में (अमृदावाद में) रन नहीं बांधा पाए थे, जहां भारत ने वेस्टइंडीज को एक पारी पर 140 रन से हराया था। सुदर्शन ने टेस्ट में अपनी सबसे बड़ी पारी खेलने के बाबत कहा कि मैं आज की अपनी पारी के लिए निश्चित रूप से अधिकारी हूँ। लोकमान में हास्या वो थोड़ी सी ख्वाहिश होती है कि शतक पूरा हो जाए। इसलिए मैं अब ज्यादा की उम्मीद कर रहा हूँ। इंटर्लैंड दौरे पर टेस्ट पदार्पण करने वाले सुदर्शन ने सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के साथ दूसरे विकेट पर लिए 193 रन की सालाही बल्लेबाजी कर रहे थे।

मुझे और रन बनाने की उम्मीद थी: सुदर्शन

नई दिल्ली : भारत के तीसरे ट्रॉफी के बल्लेबाज साई सुदर्शन ने स्थीकार किया कि उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने पहले टेस्ट शतक का पूर्णांगी की उम्मीद थी, लेकिन 87 रन पर आउट होने से उन्हें थोड़ी निराशा हुई। सुदर्शन में दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन 165 गेंदों में 12 योनों की मदद से यह पारी खेली। सुदर्शन पहले टेस्ट में (अमृदावाद में) रन नहीं बांधा पाए थे, जहां भारत ने वेस्टइंडीज को एक पारी पर 140 रन से हराया था। सुदर्शन ने टेस्ट में अपनी सबसे बड़ी पारी खेलने के बाबत कहा कि मैं आज की अपनी पारी के लिए निश्चित रूप से अधिकारी हूँ। लोकमान में हास्या वो थोड़ी सी ख्वाहिश होती है कि शतक पूरा हो जाए। इसलिए मैं अब ज्यादा की उम्मीद कर रहा हूँ। इंटर्लैंड दौरे पर टेस्ट पदार्पण करने वाले सुदर्शन ने सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के साथ दूसरे विकेट पर लिए 193 रन की सालाही बल्लेबाजी कर रहे थे।

तीसरे सत्र में 98 रन जोड़े और इस बीच सुदर्शन का विकेट गंवाया। वेस्टइंडीज के स्पिनर जोमेल वारिकन की सुवाह के साथ कप्तान यशस्वी जायसवाल के बल्लेबाज के बाबत नहीं बांधा पाए था। वेस्टइंडीज के स्पिनरों की लेंथ सही नहीं थी जबकि उसके तेज गेंदबाज सही लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी करनी चाही थी। जिससे भारत के बल्लेबाजों को रन बनाने में परेशानी नहीं हुई। यशस्वी जायसवाल और सुदर्शन ने बीच से खेला लेकिन वारिकन कैच नहीं ले पाए।

भारत

318/2 (90 ओवर)

- यशस्वी जायसवाल नाबाद 173
- राहुल रटं. मलाचा बो वारिकन 98
- साई सुदर्शन पगवाधा वारिकन 87
- शुभमन गिल नाबाद 20

गेंदबाजी: योल्स 16-1-59-0, फिलिप 13-2-44-0, ग्रीवस 8-1-26-0, पियरे 60-2-74-0, वारिकन 20-3-60-2, चेज 13-0-55-0

एक समय वे लगभग छह रन प्रति ओवर की दर से रन बना रहे थे, लेकिन दूसरे घंटे में उनकी गति थोड़ी थीमी हो गई। वेस्टइंडीज को दूसरे सत्र में विकेट हासिल करने का एकमात्र मौका तब मिला जब सुदर्शन ने जस्टिन ग्रीवस की गेंद को दूसरे सत्र में विकेट हासिल किया।

एक समय वे लगभग छह रन प्रति ओवर की दर से रन बना रहे